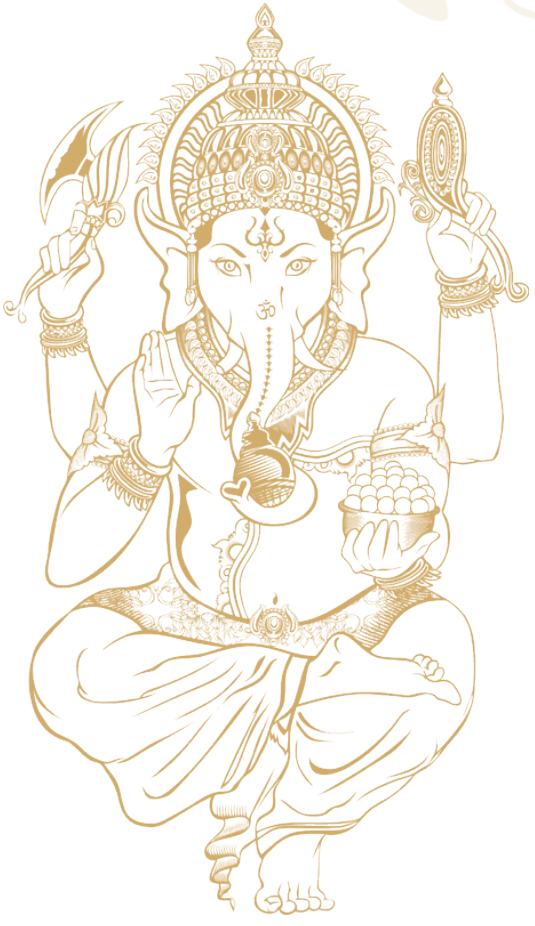

Vijaya katkar

19 Oct 1999

03:16 AM

Solapur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121794405

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**18-19/10/1999**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**03:16:00 घंटे**
इष्ट	52:18:56 घटी
स्थान	**Solapur**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	17:43:00 उत्तर
रेखांश	75:56:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:49:44 घंटे
वेलान्तर	00:14:44 घंटे
साम्पातिक काल	04:37:29 घंटे
सूर्योदय	06:20:25 घंटे
सूर्यास्त	18:02:33 घंटे
दिनमान	11:42:08 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	01:13:00 तुला
लग्न के अंश	16:28:45 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	शूल
करण	कौलव
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खू-खुशी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	16:28:45	341:29:28	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	---
सूर्य			तुला	01:13:00	00:59:34	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	नीच राशि
चंद्र			मक	15:37:03	12:24:34	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	सम राशि
मंगल			धनु	07:28:48	00:43:26	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	मित्र राशि
बुध			तुला	24:38:08	01:12:30	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	मित्र राशि
गुरु	व		मेष	06:44:08	00:08:04	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	राहु	मित्र राशि
शुक्र			सिंह	15:18:32	00:53:18	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
शनि	व		मेष	21:18:35	00:04:23	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	नीच राशि
राहु			कर्क	15:57:37	00:00:01	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	शत्रु राशि
केतु			मक	15:57:37	00:00:01	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	19:01:13	00:00:13	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप			मक	07:44:38	00:00:10	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
प्लूटो			वृश्चि	14:52:02	00:01:49	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			वृष	17:05:35	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:00

लग्न-चलित

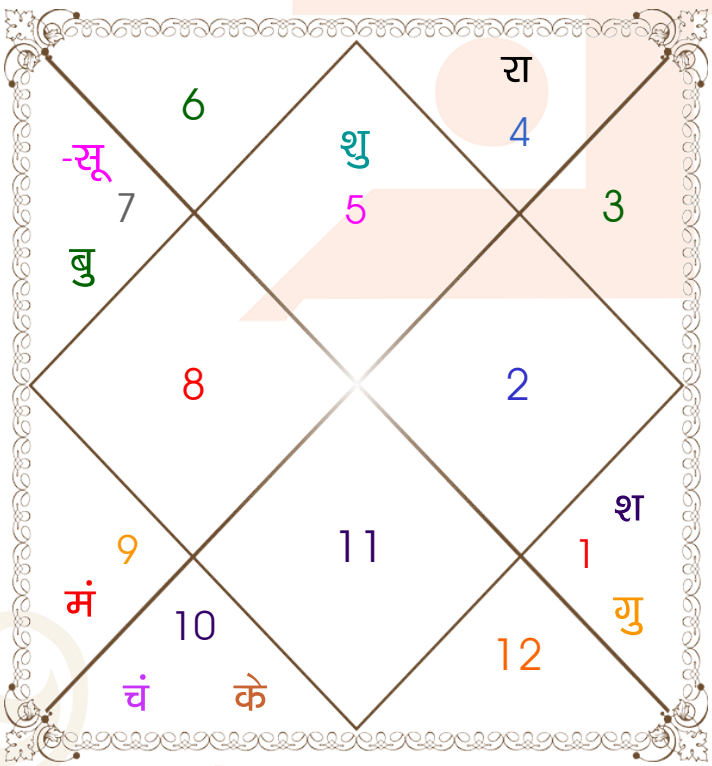

चन्द्र कुंडली

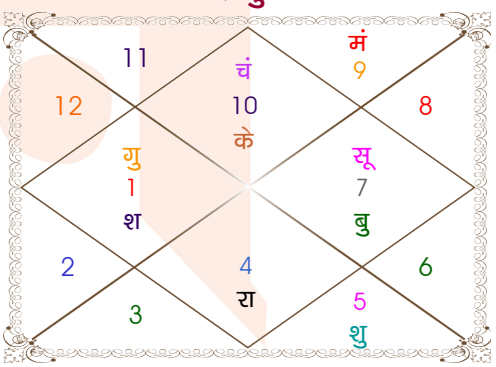

नवमांश कुंडली

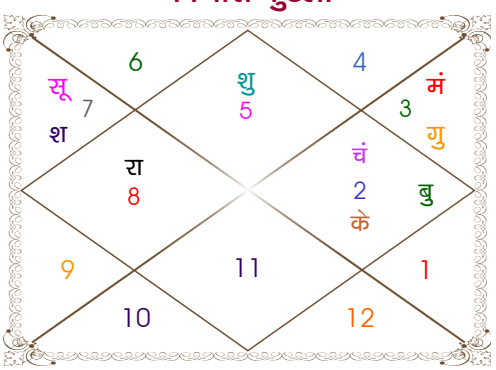

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 5 वर्ष 9 मास 13 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
19/10/1999		01/08/2005		01/08/2012		02/08/2030		02/08/2046	
01/08/2005		01/08/2012		02/08/2030		02/08/2046		01/08/2065	
	00/00/0000	मंगल	28/12/2005	राहु	14/04/2015	गुरु	19/09/2032	शनि	04/08/2049
	00/00/0000	राहु	16/01/2007	गुरु	07/09/2017	शनि	02/04/2035	बुध	14/04/2052
	19/10/1999	गुरु	23/12/2007	शनि	14/07/2020	बुध	08/07/2037	केतु	23/05/2053
गुरु	01/11/1999	शनि	31/01/2009	बुध	31/01/2023	केतु	14/06/2038	शुक्र	23/07/2056
शनि	01/06/2001	बुध	28/01/2010	केतु	19/02/2024	शुक्र	12/02/2041	सूर्य	05/07/2057
बुध	01/11/2002	केतु	26/06/2010	शुक्र	18/02/2027	सूर्य	01/12/2041	चंद्र	03/02/2059
केतु	02/06/2003	शुक्र	26/08/2011	सूर्य	13/01/2028	चंद्र	02/04/2043	मंगल	14/03/2060
शुक्र	31/01/2005	सूर्य	01/01/2012	चंद्र	14/07/2029	मंगल	08/03/2044	राहु	19/01/2063
सूर्य	01/08/2005	चंद्र	01/08/2012	मंगल	02/08/2030	राहु	02/08/2046	गुरु	01/08/2065

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
01/08/2065		02/08/2082		01/08/2089		02/08/2109		03/08/2115	
02/08/2082		01/08/2089		02/08/2109		03/08/2115		00/00/0000	
बुध	29/12/2067	केतु	29/12/2082	शुक्र	01/12/2092	सूर्य	20/11/2109	चंद्र	02/06/2116
केतु	25/12/2068	शुक्र	28/02/2084	सूर्य	01/12/2093	चंद्र	22/05/2110	मंगल	01/01/2117
शुक्र	26/10/2071	सूर्य	05/07/2084	चंद्र	02/08/2095	मंगल	26/09/2110	राहु	03/07/2118
सूर्य	01/09/2072	चंद्र	03/02/2085	मंगल	01/10/2096	राहु	21/08/2111	गुरु	20/10/2119
चंद्र	31/01/2074	मंगल	02/07/2085	राहु	02/10/2099	गुरु	08/06/2112		00/00/0000
मंगल	28/01/2075	राहु	20/07/2086	गुरु	03/06/2102	शनि	21/05/2113		00/00/0000
राहु	17/08/2077	गुरु	26/06/2087	शनि	02/08/2105	बुध	28/03/2114		00/00/0000
गुरु	22/11/2079	शनि	04/08/2088	बुध	02/06/2108	केतु	03/08/2114		00/00/0000
शनि	02/08/2082	बुध	01/08/2089	केतु	02/08/2109	शुक्र	03/08/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 5 वर्ष 9 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। सिंह लग्नोदय काल ही सिंह राशि का नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। आपका जन्म प्रभाव यह प्रमाणित कर रहा है कि आपका जीवन सर्वोत्तम प्रकार से व्यतीत होगा। ऐसा तो आपके जीवन का 28 वें वर्ष से आपका समय अच्छे होने लग जाएंगे। आयु के 28 वें वर्ष से 32 वें वर्ष की आयु तक का समय बहुत ही उत्तम एवं अनुकूल होगा।

आपके जीवन का बृहत्तर भाग मखमली अर्थात् ''पांचों उंगुली घी में'' जैसा लाभजनक रहेगा। इस समय आपके जीवन के सभी आवश्यक पक्ष संतोषजनक रहेंगे। आपके लिए सौभाग्य प्रदान करने वाला ऐसा समय हस्तगत होगा कि आप मिट्टी छूओ तो सोना बन जाएगा और आप जिस कार्य को हस्तगत कर लोगी उसी में सफल हो जाओगी।

आप इस बात को अच्छी प्रकार जानती हैं कि लोगों के साथ धन संपत्ति का लेन-देन अर्थात् आदान प्रदान कैसे करेंगी। आपमें यह सामार्थ्य निहित है कि लोगों को अपने पक्ष में लेकर, दूसरों पर किस प्रकार प्रशासन करेंगी। आप किस प्रकार लोगों से सहयोग प्राप्त कर प्रचूर मात्रा में लाभान्वित होंगी तथा आपका कार्य व्यवधान रहित होकर प्रगति करेगा। जब आप किसी को वस्तु उधार दे देती हैं और कोइ समस्या उत्पन्न हो जाती है। आप धैर्यपूर्वक संपर्क स्थापित कर समस्या का समाधान कर उस धन या वस्तु को प्राप्त कर लेती हैं।

आप में एक अन्य प्रकार की भव्य क्षमता विद्यमान हैं। वह यह है कि आप यह जानती हैं कि आप अपने से उच्च अधिकारी को किस प्रकार प्रभावित करेंगी तथा सर्वोच्च अधिकारी से संपर्क अर्थात् सानिध्यता प्राप्त कर लेती हैं। परिणाम स्वरूप आप लाभप्रद, अधिकारपूर्ण पद प्रतिष्ठा प्राप्त कर लेंगी। यथा कंपनी का प्रबंधक, अथवा किसी भी निगम और परिषद का निर्देशक पद आदि। आप निश्चित समय पर ऐसी युक्ति पूर्ण चाल को अच्छी प्रकार अपने अधिकारी के पास प्रस्तुत कर देंगी। ताकि आप की चाल सफल हो जाती है। आप में एक अच्छे नेता के गुण विद्यमान है।

आप अनेक कलाओं की ज्ञाता एवं सक्षम हैं। आप किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेने में तथा किसी भी विरोधात्मक परिस्थिति को पार कर लेने में सक्षम है तथा विरोधियों को परास्त कर सकती हैं। आप अपने किसी भी शत्रुओं के साथ संघर्ष करके विजय श्री प्राप्त करेंगे।

आपकी प्रभावशाली उपस्थिति हाव-भाव तथा आकर्षण विपरीत योनि के प्राणी के साथ रहेगा। जिस प्रकार चुंबक अपने आकर्षण शक्ति का प्रभाव लौह पर दिखाता है। उसी प्रकार आपके आकर्षण से पुरुष वशीभूत हो जाया करेंगे। आपकी इस प्रकार की प्रवृति से आपका समय आनंददायक प्रतीत होता है। परंतु इस प्रकार की प्रवृत्ति तथा कार्य कलाप से आपका पारिवारिक जीवन बाधित हो सकता है। आपके पास पति बच्चे एवं आनंददायक भवन का सुख उपलब्ध हो सकता है। अस्तु निरंतर इस पथ पर नहीं चलें। आपके साथ ऐसी समस्या जुडी है कि आप पूर्णरूपेण विश्राम नहीं कर पाती । उत्तम स्वास्थ्य के लिए आपको सतर्क रहना चाहिए।

आप सदैव अनेक प्रकार के कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के लिए एक साथ प्रस्थान करती हैं। आपके द्वारा घोर परिश्रम किए जाने से स्नायुविक शक्तियां बुरी तरह पूर्ण रूपेण प्रभावित हो रही हैं। इस प्रकार कुछ समय वर्षों के पश्चात् आपको ह्रदय से संबंधित समस्याएं, गांठ-गांठ में तथा रीढ़ की हड्डियों में दर्द, रक्तचाप रोगादि से कष्ट समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु विश्राम भी ग्रहण किया करें।

आप सदैव अपनी एवं अपने परिवार की प्रतिष्ठा के प्रति सतर्क रहती हैं। चाहे कुछ भी हो जाए आप इस बात के लिए किसी भी परिस्थिति में कोई भी समझौता करने को तैयार नहीं हो सकती हैं।

आपके लिए उपयुक्त कार्यव्यवसायों में राजकीय केंद्रीय सरकार की सेवा के अतिरिक्त ट्रांसपोर्ट व्यवसाय, होटल उद्योग अथवा फोटोग्राफी व्यवसाय आदि अनुकूल है।

आपके लिए नारंगी रंग, लाल एवं हरा रंग अनुकूल है। परंतु नीला, सफेद एवं काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक भाग्यशाली अंक है, परंतु आपके लिए अंक 2, 7 एवं 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।